राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय
राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार बी.ए. (बैचलर ऑफ आर्ट) स्वाध्यायी
गायन विभाग प्रथम वर्ष 2021 की स्कीम (अंक विभाजन एवं क्रेडिट सिस्टम)

क्र. स.	पेपर का नाम	प्रश्न पत्र	विषय	पूर्णांक	उत्तीर्ण अंक	क्रेडिट	टो. क्रेडिट
1	मुख्य विषय (मेजर)	प्रथम	**सैद्धातिक**–गायन	100	33	03	12
			प्रायोगिक– गायन	100	33	03	
		द्वितीय	**सैद्धातिक**– गायन	100	33	03	
			प्रायोगिक– गायन	100	33	03	
2	गौण विषय (माईनर)	एक अपोजिट	**सैद्धातिक**– तबला /शास्त्रीय गिटार/सितार/वॉयलिन/नृत्य/ललितकला	100	33	03	06
			प्रायोगिक– तबला /शास्त्रीय गिटार/सितार/वॉयलिन/नृत्य/ ललितकला	100	33	03	
3	ओपन इलेक्टिव (वैकल्पिक)	प्रथम (एक)	**सैद्धातिक**–भारतीय संगीत का सामान्य अध्ययन/ एन.एस.एस./ म.प्र. की संगीत विरासत / शारीरिक शिक्षा / म.प्र. के लोक नृत्यों का सामान्य परिचय	100	33	03	06
			प्रायोगिक –भारतीय संगीत का सामान्य अध्ययन / एन.एस.एस. /म.प्र. की संगीत विरासत / शारीरिक शिक्षा/म.प्र. के लोक नृत्यों का सामान्य परिचय	100	33	03	
4	व्यावसायिकविषय (कौशल सर्वधन)	प्रथम (एक)	व्यक्तित्व विकास/डिजिटल मार्केटिंग/हस्त शिल्प/चिकित्सा निदान (संगीत चिकित्सा निदान)	100	33	04	04
5	अनिवार्य विषय आधार पाठ्यक्रम (योग्यता संवर्धन)	प्रथम	हिंदी भाषा	100	17	02	04
			अंग्रेजी भाषा		17	02	
		द्वितीय	पर्यावरण अध्ययन	100	17	02	04
			योग एवं ध्यान		17	02	
6	मुख्य विषय से सम्बधित	एक	फील्ड प्रोजेक्ट/इन्टर्नशिप/एप्रेन्टिसशिप / कम्यूनिटि इगेजमेंट	100	33	04	04
				1200			40

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय , ग्वालियर

सैद्धांतिक प्रश्न पत्र के पाठ्यक्रम का प्रारूप

		भाग–अ–परिचय		
पाठ्यक्रम – सर्टिफिकेट		कक्षा–बी. ए.	वर्ष – प्रथम	सत्र–2021–2022
		विषय–हिन्दुस्तानी संगीत–गायन		
1.	कोर्स कोड	A1MSIN2T		
2.	कोर्स शीर्षक	भारतीय संगीत के विविध आयाम		
3.	कोर्स टाइप	कोर कोर्स		
4.	पूर्व अपेक्षित (यदि कोई हो)	सभी 12 वीं कक्षा उत्तीर्ण विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध।		
5.	कोर्स अधिगम उपलब्धि (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	1. प्रस्तुत पाठ्यक्रम का लक्ष्य विद्यार्थियों में संगीत के प्रति जागरूकता तथा ज्ञान में वृद्वि करना। 2. लोक संगीत सुगम संगीत, उप–शास्त्रीय संगीत की जानकारी 3. हिन्दी फिल्मों के प्रसिद्व पार्श्व गायक–गायिकाओं की जीवनी तथा संघर्ष व योगदान से परिचय कराना।		
6.	क्रेडिट मान	02 सैद्वांतिक		
7.	कुल अंक	अधिकतम अंकः– 25+75		न्यूनतम उत्तीर्ण अंकः– 08+25

भाग ब–पाठ्क्रम की विषयवस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या–टयुटोरियल, प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में) L.T.D

इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
1.	पाठ्क्रम हेतु निर्धारित राग :– खमाज, भैरवी पाठ्क्रम हेतु निर्धारित ताल :– रूपक, झपताल, त्रिताल सामान्य अध्ययनः– अ लोकसंगीत ब सुगमसंगीत स उपशास्त्रीय	6
2.	सांगीतिक शब्दावलीः– अ आकाशवाणी– दूरदर्शन के संगीत कार्यक्रमों की समीक्षा। ब क्षेत्रीय संगीत समारोह की समीक्षा।	6
3.	स्वरलिपि अध्ययनः– अ पं विष्णुनारायण भातखण्डे स्वरलिपि पध्दति। ब पं विष्णु दिगंबर पलुस्कर स्वरलिपि पध्दति।	6
4.	स्वर–लय अध्ययनः– अ स्वरः–शुध्द विकृत। ब लयः– विलंबित, मध्य, द्रुत। स हारमोनियम वाद्ययंत्र की जानकारी।	6
5.	चित्रपट संगीत के पार्श्व गायक–गायिका अ भारतरत्न सुश्री. लता मंगेशकर – इंदौर, जीवन परिचय एवं सांगितिक योगदान। ब स्व. किशोर कुमार खण्डवा, जीवन परिचय एवं सांगितिक योगदान।	6

22.11.21

संदर्भः– पाठ्यपुस्तकें सदर्भ पुस्तकें अन्य संसाधन
1. भातखण्डे, वि. ना., क्रमिक पुस्तक मल्लिका भाग–1, 2, हाथरस–संगीत कार्यालय उ.प्र., 2009, 2011
2. गोवर्धन, शांति, संगीत शास्त्र दर्पण– भाग–1, 2, रत्नाकर पाठक इलाहाबाद, 2004, 2005, 2006
3. पराजपे डॉ शरच्चंद्र श्रीधर, संगीत बोध, म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी भोपाल, 1972, 1986, 1992
4. शर्मा डॉ. मृत्युजय, संगीत मैनुअल, एच.जी. पब्लिकेशंस नई दिल्ली, 2004, 2005, 2006
5. गर्ग लक्ष्मी नारायण, निबंध संगीत, संगीत कार्यालय हाथरस उ.प्र., 1978
6. गर्ग लक्ष्मी नारायण, संगीत विशारद, संगीत कार्यालय हाथरस उ.प्र., 1998
7. उपाध्याय डॉ. कृष्णदेव, हिन्दी प्रदेश के लोकगीत, साहित्य भवन प्राइवेट लिमिटेड इलाहाबाद, 1990
8. मोहम्मद शरीफ, मध्यप्रदेश का लोकसंगीत, म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल, 1999
9. यमन डॉ. अशोक कुमार, टेलिविजन और संगीत, कल्पना प्रकाशन नई दिल्ली, 2014
10. गुप्ता विनीता, स्वर कोकिला, प्रभात प्रकाशन नई दिल्ली, 2015
11. मिश्र यतीन्द्रनाथ, लता सुर गाथा, वाणी पब्लिकेशंस इलाहाबाद, 2016
12. धीमन कमल, वर्सेटाइी जीनियंस किशोर कुमार, निकीता पब्लिकेशस प्राइवेट लिमिटेड नई दिल्ली, 2011
13 सीमा, गाता रहे मेरा दिल, निकिता पब्लिकेशस प्राइवेट लिमिटेड नई दिल्ली, 2002

भाग द–अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:–		
अनुशंसित सतत् मूल्यांकन विधियाः– अधिकतम अंक 100 सतत् व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 25 विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक : 75		
आंतरिक मूल्यांकन सतत् व्यापक मूल्यांकन (CCE)	क्लास टेस्ट असाइनमेंट / प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन)	15 10 कुल अंक : 25
आकलन : विश्वविद्यालयीन परीक्षा : समय – 02.00 घटे	अनुभाग (अ) : तीन अति लघु प्रश्न (प्रत्येक 50 शब्द) अनुभाग (ब) : चार लघु प्रश्न (प्रत्येक 200 शब्द) अनुभाग (स) : दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक 500 शब्द)	03x03=09 04x09=36 02x15=30 कुल अंक : 75
कोई टिप्पणी सुझाव :–		

(1)

Part A : Introduction				
Program : Certificate Course		Class : B.A.	Year : I	Sessions : 2021-2022
Subject : Hindustani Music-Vocal				
1.	**Course Code**	A1MSIN2T		
2.	**Course Title**	Multi Dimension Of Hindustani Music		
3.	**Course Type (Core/Elective/Generic)**	Core Course		
4.	**Pre-requisite (If any)**	Open for all 12th Pass Students		
5.	**Course Learning Outcomes (CLO)**	1. Introduction of types of Indian Music:- 1.1 Folk Music 1.2 Semi Classical Music 1.3 Light Music 2. Reporting of Akashvani, Doordarshan and Music Festival of Madhya Pradesh. 3. Introduction of Lifesketch of Film Playback Singers of Madhya Pradesh and their contribution in Music. 4. Harmonium which is used in Indian Music, its complete description.		
6.	**Credit Value**	Theory -02		
7.	**Total Marks**	Max. Marks : 25 + 75	Min. Passing Marks : 08 + 25	

Part B : Content of the Course		
Total numbers of Lectures (in hours per week) : 2 hours per week Total Lecture : 30 hours		
Unit	Topics	No. of Lectures
I	**Demarcated Ragas** :- Khamaj, Bhairavi **Prescribed Talas** :- Roopak, Jhaptal, Trital	06
	General Studies:- 1.1 Folk Music 1.2 Light Music 1.3 Semi Classical Music	
II	**Reportive Studies :-** 2.1 Reporting of Music Programmes of Akashvani and Doordarshan. 2.2 Reporting of Regional Music Festival.	06
III	**Study Of Notation System :-** 3.1 Pt. Vishnu Narayan Bhatkhande Notation System. 3.2 Pt. Vishnu Digambar Paluskar Notation System.	06
IV	**Studies Swar - Laya:-** 4.1 Swar: Shuddha, Vikrut (Flat). 4.2 Laya: Vilambit, Madhya, Arut. 4.3 Introduction of Harmonium Instrument.	06
V	**Playback Singers Of Film Music:-** 5.1 Bharat Ratna Sushri Lata Mangeshkar - Indore, Life Sketch and Contribution to Music. 5.2 Late Kishore Kumar - Khandwa, Life Sketch and contribution to Music.	06

Part C : Learning Resources
Text Books, Reference Books, other resources

Suggested Books:-

1. Bhatkhande V.N., Kramik Pustak Malika Part 1,2, Sangeet Karyalaya, Hathras (U.P.) 2009, 2011
2. Govardhan Shanti, Sangeet Shastra Darpan Part 1,2, Ratnakar Pthak, Allahabad, 2004,2005, 2006
3. Paranjpe Dr. S.S., Sangeet Bodh, M.P. Hindi Granth Academy, Bhopal 1972,1986, 1992
4. Sharma Dr. Mrutunjay, Sangeet Manual, H.G. Publication, New Delhi, 2004,2005, 2006
5. Garg Lakshminarayan, Nibandh Sangeet, Sangeet Karyalaya, Hathras (U.P.), 1978
6. Garg Lakshminarayan, Sangeet Vishrad, Sangeet Karyalaya, Hathras (U.P.), 1998
7. Upadhaya Dr. Krishnadev, Hindi Pradesh Ke Lok Geet, Sahitya Bhawan Pvt. Ltd, Allahabad, 1990
8. Mohammad Sharif, Madhaya Pradesh Ka Lok Sangeet, M.P. Hindi Granth Academy, Bhopal, 1999
9. Yaman Dr. Ashok Kumar, Television aur Sangeet, Kalpana Prakashan,New Delhi, 2014
10. Gupta Vinita, Swar Kokila, Prabhat Prakashan, New Delhi, 2015
11. Mishra Yatirdranath, Lata Sur-gataha, Vani Publication, Allahabad, 2016
12. Dheeman Kamla, Versatile Genius Kishor Kumar, Nikita Publication Pvt. Ltd, New Delhi, 2011
13. Seema, Gata Rahe Mera Dil, Nikita Publication Pvt. Ltd, New Delhi, 2002

Suggested Links:-

1. "@Aarambhika" on Facebook live
2. Swarnjali kala sadhak Gwalior
3. Swar sanskar live on Facebook and Youtube

Part D : Assessment and Evaluation (Theory)		
Maximum Marks : 100 Continuous Comprehensive Evaluation (CCE): 25 University Exam (UE): 75 Time : **02:00 Hours**		
Internal Assessment : Continuous Comprehensive Evaluation (CCE)	Class test	15
	Assignment/Presentation	10
	Total	25
External Assessment: University Exam	Section (A): Three Very Short Questions (50 Words Each)	03 X 03 = 09
	Section (B): Four Short Questions (200 Words Each)	04 X 09 = 36
	Section (C): Two long Questions (500 Words Each)	02 X 015 = 30
	Total	75

प्रायोगिक प्रश्न पत्र के पाठ्यक्रम का प्रारूप

भाग–अ– परिचय				
पाठ्यक्रम –सर्टिफिकेट		कक्षा–बी. ए.	वर्ष –2021	सत्र–2021–2022
हिन्दुस्तानी संगीत गायन				
1.	कोर्स कोड	A1-MSIN2P		
2.	कोर्स शीर्षक	भारतीय संगीत के विविध आयाम		
3	कोर्स टाइप	कोर कोर्स		
4.	पूर्व अपेक्षित (यदि हो)	इस पाठ्यक्रम को 12वी कक्षा उत्तीर्ण छात्रो द्वारा एक वैकल्पिक विषय के रूप में चुना जा सकता है।		
5.	कोर्स अधिगम उपलब्धि (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	1. पाठ्यक्रम के द्वारा विद्यार्थियो में संगीत का प्रायोगिक ज्ञान के साथ ही हिन्दुस्तानी संगीत के निर्धारित रागों का समग्र परिचय कराना। 2. निर्धारित रागो में आधारित सरगम का तालबद्ध गायन कराना। 3. निर्धारित रागों पर आधारित चित्रपट संगीत व गीतों से परिचय कराना। 4. क्षेत्रीय लोक संस्कृति पर आधारित लोकगीतों का परिचय कराना। 5. निर्धारित तालो का गीतों में प्रयोग से परिचय कराना। 6. वंदना, देशभक्ति गीतों, राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत का सामूहिक गान कराना लक्ष्य है।		
6.	क्रेडिट मान	04 – प्रायोगिक		
7.	कुल अंक	अधिकतम अंक: 25+75		न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 08+25

भाग ब–कोर्स की सामग्री		
इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
	निर्धारित राग :– खमाज, भैरवी निर्धारित ताल:– रूपक, झपताल, त्रिताल	12
1	1.1 शुद्ध और विकृत स्वरो के पाँच–पाँच अलंकारों का अभ्यास। 1.2 निर्धारित रागों में आरोह–अवरोह और पकड़ के साथ सरगम गीतों का गायन।	
2	2.1 निर्धारित रागों पर आधारित फिल्मी गीतों का संकलन और गायन।	12
3	3.1 अपने क्षेत्र के एक–एक लोकगीत का गायन।	12
4	4.1 निर्धारित तालों को ताललिपि में लेखन व हाथ से ताली देकर प्रदर्शन।	12
5	5.1 वंदना, राष्ट्रगीत, राष्ट्रगान का गायन ।	12

भाग स–अनुशंसित अध्ययन संसाधन
संदर्भ:–
1.1 भातखण्डे, वि. ना. क्रमिक पुस्तक मल्लिका भाग–1,2, हाथरस–संगीत कार्यालय। (2008,2011) 1.2 भातखण्डे, वि. ना. भातखण्डे, लक्षणगीत संग्रह, हाथरस। (1999) 1.3 राग, पंकज, धुनों की यात्रा राजकमल प्रकाशन। (2006) 1.4 श्रीवास्तव, एच.सी. ताल परिचय, रूबी प्रकाशन। (2002) 1.5 मोहम्मद, शरीफ, मध्यप्रदेश के लोक संगीत, म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी भोपाल। (2018) 1.6 श्रीवास्तव, एच.सी. राग परिचय, रूबी प्रकाशन। (2002)

भाग द–अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:–			
अनुशंसित सतत् मूल्यांकन विधियां:–			
आंतरिक मूल्यांकन	अंक	बाह्य मूल्यांकन	अंक
कक्षा में संवाद / प्रश्नोत्तरी	10	प्रयोगिक मौखिकी (वायवा)	15
उपस्थिति	5	प्रयोगिक रिकॉर्ड फाइल	10
असाइनमेंट (चार्ट / मॉडल / सेमिनार / ग्रामीण सेवा / प्रौद्योगिकी प्रसार / भ्रमण (करसर्शन)की रिपार्ट / सर्वेक्षण / प्रयोगशाला भ्रमण (लैब विजिट) औद्योगिक यात्रा	10	टेबल वर्क / प्रयोग	50
कुल अंक	25		75
कोई टिप्पणी सुझाव:–			

Part A : Introduction			
Program : Certificate course	Class : B.A.	Year : I	Sessions : 2021-2022

Subject : Hindustani Music-Vocal

1.	**Course Code**	A1MSIN2P
2.	**Course Title**	History of Indian Music
3.	**Course Type (Core/Elective/Generic)**	Core Course
4.	**Pre-requisite (If any)**	To study this course, A student must have had the subject - Music in 12th Class & clear pass in Certificate Course.
5.	**Course Learning Outcomes (CLO)**	1. The course aims to acquaint the students with the Hindustani Music System. 2. The meaning of the initial technical words of music and to acquaint the student with Ragas and Talas. 3. To give some Knowledge of Light music in prescribed ragas. 4. To give Practical Information in Film Songs or Bhajan, based on classical ragas. 5. Informative Knowledge of Folk Music based on Local Language. 6. Provide Knowledge of Talas commonly used in Light or Film Songs.
6.	**Credit Value**	Practical -04
7.	**Total Marks**	Max. Marks : 25 + 75 / Min. Passing Marks : 10 + 30
8.	**Total no of L-T-P**	4 Hours per week

Part B : Content of the Course

Total numbers of Practical(in hours per week) : 3 hours per week
Total Lecture : 30 hours

Unit	Topics	No. of Lectures
	Demarcated Ragas :- Khamaj, Bhairavi **Prescribed Talas** :- Roopak, Jhaptal, Trital	10
I.	Practice of singing Five Alankars of Thatas in Prescribed Ragas for Light Music.	
II.	Learning of Aaroha - Awaroha - Pakad, Sargamgeet in Prescribed Ragas.	10
III.	Practice of singing Bhajan, Geet, Gazal of Film music based on Prescribed Ragas.	10

Part C : Learning Resources
Text Books, Reference Books, other resources

Suggested Readings:-

1.1 Bhatkhande, V.N. - Kramik pustak Mallika Part – 1, Hathras sangit karyalaya (2004)

1.2 Bhatkhande, V.N. - Kramik pustak Mallika Part – 2, Hathras sangit karyalaya (2009) (2011)

1.3 Dr. Shrivastva veena - Bhartiya Lok Sangeet (Sanrakshan, Samvard Evam Sambhavanaye) - (2012) ISBN 978-81-7487-780-2, Rad Publication, New Delhi

1.4 Gehani Ranjani, Alankars The Riyaz Manual, Impressive Impressions - (2016) https:/www.facebook.com

1.5 Sharma Manorama - Folk India: A Comprehensive Study Of Indian Music & Culture - Sandeep Prakashan(2004) ISBN 817574422, 978814541423

1.6 Garg Lakshminarayan – Sangeet Vishrad, Sangeet Karyalaya, Hathras (U.P.), 1998

Suggested Links:-

1. "@Aarambhika" on Facebook live
2. Swarnjali kala sadhak Gwaliior
3. Swar sanskar live on Facebook

Part D : Assessment and Evaluation (Practical)			
Suggested Continuous Evolution Methods:			
Internal Assessment	**Marks**	**External Assessment**	**Marks**
Class Interaction /Quiz	10	Viva Voce on Practical	15
Attendance	5	Practical Record File	10
Assignments (Charts/ model seminar/ Rural Service/Technology Dissemination/Report of Excursion/ Lab Visits/ Survey/Industrial visit)	10	Table work/ Experiments	50
Total	25		75

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर

(9)

सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का पाठ्यक्रम

भाग ए– परिचय				
पाठ्यक्रम – प्रमाण पत्र		कक्षा–बी.ए.	वर्ष –2021	सत्र–2021–2022
विषय–हिन्दुस्तानी संगीत–गायन				
1	कोर्स कोड	A1-MSI41T		
2.	कोर्स शीर्षक	भारतीय संगीत का इतिहास		
3.	कोर्स टाइप	कोर कोर्स		
4	पूर्व अपेक्षा (यदि हो)	इस कोर्स का अध्ययन के लिये छात्र ने विषय संगीत का अध्ययन कक्षा–12 वीं / प्रमाण पत्र / डिप्लोमा में किया हो।		
5	कोर्स अधिगम उपलब्धि (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	1. पाठ्यक्रम के द्वारा विद्यार्थियों को हिन्दुस्तानी संगीत पद्धति का परिचय कराना। 2. संगीत के कुछ प्रारम्भिक पारिभाषिक शब्दों का अर्थ / रागों और तालों से परिचय कराना। 3. स्वरलिपि पद्धति क्या है? स्वरलिपि के अविष्कारक का सांगीतिक योगदान का परिचय कराना। 4. संगीत के क्षेत्र में रोजगार के क्या–क्या अवसर हैं? यह भी विद्यार्थी जान सकेंगे।		
6	क्रेडिट मान	02 सैद्धांतिक		
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 25+75		न्यूनतम उत्तीर्ण अंक 08+25

भाग ब–कोर्स की सामग्री		
इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
	निर्धारित राग–बिलावल, खमाज, काफी निर्धारित ताल–दादरा, कहरवा, त्रिताल	
1	परिभाषाएँ– 1.1 संगीत, स्वर, अलंकार, नाद, सप्तक, थाट, राग। 1.2 आरोह, अवरोह, पकड़, वादी, संवादी, विवादी, अनुवादी	8
2	रागों व तालों का परिचय– 2.1 निर्धारित रागों और तालों का सम्पूर्ण परिचय, दोहा आरोह, अवरोह पकड़ सहित लेखन अभ्यास। 2.2 निर्धारित थाटों बिलावल, खमाज, काफी में पाँच–पाँच अलंकारों का लेखन अभ्यास।	8
3	पंडित भातखण्डे स्वरलिपि एवं सांगीतिक योगदान– 3.1 पं. विष्णु नारायण भातखण्डे जी स्वरलिपि पद्धति का अध्ययन। 3.2 पं. विष्णु नारायण भातखण्डे जी का सांगीतिक योगदान व जीवन परिचय का अध्ययन। 3.3 सरगम, लक्षणगीत, छोटाख्याल स्वरलिपि में लेखन।	8
4	संगीत के क्षेत्र में रोजगार– 4.1 विद्यालयों में संगीत शिक्षण कार्य – अर्हता एवं साक्षात्कार की पूर्व तैयारी 4.2 अपने वाद्य–यंत्र की जानकारी, रख–रखाव।	6

30/5/2021
(Dr. Ravi Kumar Rambde)

22.11.21

भाग स–अनुशंसित अध्ययन संसाधन
पाठ्यपुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन
1.1 भातखण्डे संगीत शास्त्र, भातखण्डे, वि. ना. हाथरस–संगीत कार्यालय उ.प्र. ।(1951, 1968, 1969, 1970) 1.2 संगीत शास्त्र दर्पण– भाग–1–2 गोवर्धन, शांति, (2004, 2005) 1.3 क्रमिक पुस्तक मल्लिका भाग–1, 2 भातखण्डे, वि. ना. हाथरस–संगीत कार्यालय उ.प्र. । (2009, 2011) 1.4 भातखण्डे, लक्षण गीत संग्रह भाग–1, 2 भातखण्डे, वि. ना. हाथरस–संगीत कार्यालय उ.प्र. । (1999) 1.5 संगीत विशारद गर्ग, लक्ष्मी नारायण हाथरस–संगीत कार्यालय (1998) 1.6 संगीत मणी भाग –1, 2 शर्मा, महारानी, श्रीभुवनेश्वरी प्रकाशन इलाहाबाद (2008, 2011) **Suggested Links:-** 1. "@Aarambhika" on Facebook live 2. Swarnjali kala sadhak Gwaliior 3. Swar sanskar live on Facebook

भाग द–अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:–		
अनुशंसित सतत् मूल्यांकन विधियां – अधिकतम अंक 100 सतत् व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक 25 विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक 75		
आंतरिक मूल्यांकन सतत् व्यापक मूल्यांकन (CCE)	क्लास टेस्ट असाइनमेंट / प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन)	15 10 कुल अंक : 25
आकलन विश्वविद्यालयीन परीक्षा समय – 02.00 घंटे	अनुभाग (अ) : तीन अति लघु प्रश्न (प्रत्येक 50 शब्द) अनुभाग (ब) : चार लघु प्रश्न (प्रत्यक 200 शब्द) अनुभाग (स) : दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक 500 शब्द)	03x03=09 04x09=36 02x15=30 कुल अंक : 75
कोई टिप्पणी सुझाव–		

(Dr. Ravikumar Randole)
30/5/2021

Part A : Introduction			
Program : Certificate course	**Class** : B.A.	**Year** : 2021	**Sessions** : 2021-2022

Subject : Hindustani Music-Vocal		
1.	Course Code	A1-MSIN1T
2.	Course Title	History of Indian Music
3.	Course Type (Core/Elective/Generic)	Core course
4.	Pre-requisite (If any)	This course can be opted as an elective by the student of the following subject music open for all.
5.	Course Learning Outcomes (CLO)	1. The course aims to acquaint the students with the Hindustani Music System. 2. The meaning of the initial technical words of music and to acquaint the student with Ragas and Talas. 3. What is notation System? It aims to introduce the students with the inventer of notation and his musical contribution. 4. Student will come to know about the employment opportunities in the field of music.
6.	Credit Value	Theory -02
7.	Total Marks	Max. Marks : 25 – 75 Min. Passing Marks : 8 + 25

Part B : Content of the Course Total numbers of Lectures (in hours per week) : 2 hours per week Total Lecture : 30 hours		
Unit	**Topics**	**No. of Lectures**
I	**Prescribed Ragas** :- Bilaval, Khamaj, Kafi. **Prescribed Talas** :- Dadra, kaharwa, Trital **Definition of Technical Terms:-** 1.1 Sangit, swara, Alankar, Naad, Saptak, thata, Raga 1.2 Aaroh, Avroh, Pakad, Vadi, Samvadi, Vivadi, Anuvadi	08
II	**Theoretical Study :-** 2.1 Study of detailed Introduction of prescribed Ragas and Talas along with Doha, aaroh, avroh and pakad 2.2 Ptactice of writing five Alankars in Thala Bilaval, Khamaj, Kafi.	08
III	**Notation system and musical contribution of Pt. Bhatkhande :-** 3.1 Study of Pt. Bhatkhande notation system 3.2 The biography and contribution of Pt V.N. Bhatkhande 3.3 Notation Writing of Bandish, Sargam, Lakshan Geets Madhya laya khyalas in above Ragas	08
IV	**Employment in the Field of Music:-** 4.1 Teaching jobs in school in the field of music 4.2 Knowledge of tuning and minor repairs of own instrument Tanpura/Harmonium.	06

Rajatynuy

Pandole 30. 5. 2021
(Dr. Ravi Kumar Pandole)

Part C : Learning Resources
Text Books, Reference Books, other resources

Suggested Readings:-

1.1 Bhatkhande Sangit sastra, Bhatkhande, V.N., Hathras- Sangit karyalaya – (1951,1968,1969, 1970)
1.2 Sangit Shastra Darpan Part – 1,2 Goverdhan shanti, (2004, 2005)
1.3 Kramik pustak Mallika Part – 1,2 Bhatkhande, V.N., Hathras sangit karyalaya, UP (2009) (2011)
1.4 Bhatkhande Lakshan geet Sangrah, Part – 1,2 Bhatkhande, V.N. Hathras, sangit karyalaya, UP (1999)
1.5 L.N., Sangeet Visharad Garg., Laxmi Narayan Hathras-Sangit karyalay.(1998)
1.6 Sangit Mani, Part – 1,2 Sharma, Maharani – shri Bhueashwari Prakashan, Allahabad (2008,2011)

Suggested Links:-

1. "@Aarambhika" on Facebook live
2. Swarnjali kala sadhak Gwalior
3. Swar sanskar live on Facebook

Part D : Assessment and Evaluation (Theory)		
Maximum Marks :		100
Continuous Comprehensive Evaluation (CCE):		25
University Exam (UE):		75
Time : 02:00 Hours		
Internal Assessment : Continuous Comprehensive Evaluation (CCE)	Class test	15
	Assignment Presentation	10
	Total	25
External Assessment: University Exam	Section (A): Three Very Short Questions (50 Words Each)	03 X 03 = 09
	Section (B): Four Short Questions (200 Words Each)	04 X 09 = 36
	Section (C). Two long Questions (500 Words Each)	02 X 015 = 30
	Total	75

30/5/2021
(Dr. Rajkumar Londhe)

प्रायोगिक प्रश्न पत्र का पाठ्यक्रम

भाग अ– परिचय				
पाठ्यक्रम – प्रमाण पत्र		कक्षा–बीए	वर्ष– 2021	सत्र–2021–2022
हिन्दुस्तानी संगीत –गायन				
1	कोर्स कोड	A1-MSIN1P		
2	कोर्स शीर्षक	भारतीय संगीत का इतिहास		
3	कोर्स टाइप–	कोर कोर्स		
4	पूर्व अपेक्षित (यदि हो)	इस कोर्स का अध्ययन के लिये छात्र ने विषय संगीत का अध्ययन कक्षा–12 वी/प्रमाण पत्र/डिप्लोमा में किया हो।		
5	कोर्स अधिगम उपलब्धि (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	1. निर्धारित रागों का और तालों का परिचय कराना। 2. संगीत के प्रारंभिक पारिभाषिक शब्दों का अर्थ व उनका संगीत में प्रयोग की जानकारी देना। 3. स्वरलिपि पद्धति और स्वरलिपि के अविष्कार के विषय में संपूर्ण जानकारी देना। 4. हिन्दी पद्धति के दस थाट की जानकारी देना। 5. संगीत में रोजगार के क्षेत्रों की जानकारी देना व पूर्ण तैयारी का ज्ञान कराना। 6. अपने वाद्य यंत्र के स्क्रू–खूंटी के साथ स्वर मिलाने की तकनीक से अवगत कराना।		
6	क्रेडिट मान	04 प्रायोगिक		
7.	कुल अंक	अधिकतम अंक 25+75		न्यूनतम उत्तीर्ण अंक 08+25

भाग ब–कोर्स की सामग्री		
इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
	निर्धारित राग:–बिलावल, खमाज, काफी निर्धारित ताल–दादरा, कहरवा, त्रिताल	
1	1.1 बिलावल, खमाज, काफी थाटों में पांच–पांच अलंकारों का अभ्यास।	10
2	2.1 निर्धारित रागों में सरगम और लक्षण गीतों का गायन अभ्यास।	10
3	3.1 निर्धारित रागों में द्रुत ख्यालों का गायन अभ्यास।	10
4	4.1 निर्धारित तालों का ताललिपि में लेखन व हाथ से ताली देकर प्रदर्शन का अभ्यास।	10
5	5.1 अपने क्षेत्रों में गाये जाने वाले लोक संगीत में किसी एक शैली के लोक गीत प्रस्तुति।	10
6	6.1 वंदना, राष्ट्रगीत, राष्ट्रगान का गायन।	10

भाग स–अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्यपुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

1.1 भातखण्डे संगीत शास्त्र, भातखण्डे, वि. ना. हाथरस–संगीत कार्यालय उ.प्र.।(1951, 1968, 1969 1970)

1.2 संगीत शास्त्र दर्पण– भाग–1–2 गोवर्धन, शांति, (2004, 2005)

1.3 क्रमिक पुस्तक मल्लिका भाग–1, 2 भातखण्डे वि. ना. हाथरस–संगीत कार्यालय उ.प्र.। (2009, 2011)

1.4 भातखण्डे, लक्षण गीत संग्रह भाग–1, 2 भातखण्डे, वि. ना. हाथरस–संगीत कार्यालय उ.प्र.। (1999)

1.5 संगीत विशारद गर्ग, लक्ष्मी नारायण हाथरस–संगीत कार्यालय (1998)

1.6 संगीत मणी भाग –1, 2 शर्मा, महारानी, श्रीभुवनेश्वरी प्रकाशन इलाहाबाद (2008, 2011)

Suggested Links:-

1. "@Aarambhika" on Facebook live
2. Swarnjali kala sadhak Gwaliior
3. Swar sanskar live on Facebook

भाग डी–अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:–

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां–

आंतरिक मूल्यांकन	अंक	बाह्य मूल्यांकन	अंक
कक्षा में संवाद / प्रश्नोत्तरी	10	प्रायोगिक मौखिकी (वायवा)	15
उपस्थिति	5	प्रायोगिक रिकॉर्ड फाइल	10
असाइनमेंट (चार्ट / मॉडल / सेमिनार / ग्रामीण सेवा / प्रौद्योगिकी प्रसार / भ्रमण (भ्रमण दर्शन) की रिपोर्ट / सर्वेक्षण / प्रयोगशाला भ्रमण (लैब विजिट) औद्योगिक यात्रा / प्रेक्टिकल फाइल	10	टेबल वर्क / प्रयोग / मंच प्रदर्शन	50
कुल अंक	25		75

कोई टिप्पणी सुझाव–

Ravinkumar 30/5/2021
(Dr. Ravi Kumar Landoli)

Reejaulepuy

Part A : Introduction				
Program : Certificate course		Class : B.A.	Year : 2021	**Sessions** : 2021-2022
Subject : Hindustani Music-Vocal				
1.	**Course Code**	A1MSIN1P		
2.	**Course Title**	History Of Indian Music		
3.	**Course Type (Core/Elective/Generic)**	Core course		
4.	**Pre-requisite (If any)**	This course can be opted as an elective by the student of the following subject music open for all.		
5.	**Course Learning Outcomes (CLO)**	1. The course aims to acquaint the students with the Hindustani Music System. 2. The meaning of the initial technical words of music and to acquaint the student with Ragas and Talas. 3. What is notation System? It aims to introduce the students with the inventor of notation and his musical contribution. 4. Student will come to know about the employment opportunities in the field of music. 5. To acquaint the student to tune the self instrument and it's formal repair.		
6.	**Credit Value**	Practical -04		
7.	**Total Marks**	Max. Marks : 25 – 75	Min. Passing Marks : 8 + 25	
8.	**Total no of L-T-P**	4 Hours per week		

Part B : Content of the Course		
Total numbers of Practical(in hours per week) : 4 hours per week Total Lecture : 60 hours		
Unit	Topics	Number of Lectures
	Prescribed Ragas :- Bilaval, Khamaj, Kafi. **Prescribed Talas** :- Dadra, kaharwa, Trital	
I.	Practice of Primary Five Alankar's in Thatas, Bilaval, Khamaj, Kafi	15
II.	Sargam, Lakshan Geets, and Madhya laya khyalas in above Ragas	15
III.	Writing in notation and Theka of above talas (Orally by giving tali and khali on hand)	15
IV.	Perform a folk style songs of your region	10
V.	Singing - Prayer, National Anthem, National Song	05

(Dr. Raj Kumar Pandey)

Part C : Learning Resources
Text Books, Reference Books, other resources

Suggested Readings:-

1.1 Bhatkhande Sangit sastra. Bhatkhande, V.N., Hathras- Sangit karyalaya – (1951,1968,1969, 1970)
1.2 Sangit Shastra Darpan Part – 1,2 Goverdhan shanti, (2004, 2005)
1.3 Kramik pustak Mallika Part – 1,2 Bhatkhande, V.N . Hathras sangit karyalaya, UP (2009) (2011)
1.4 Bhatkhande Lakshan geet Sangrah, Part – 1,2 Bhatkhande, V.N. Hathras, sangit karyalaya, UP (1999)
1.5 L.N., Sangeet Visharad Garg., Laxmi Narayan Hathras-Sangit karyalay,(1998)
1.6 Sangit Mani, Part – 1,2 Sharma, Maharani – shri Bhueashwari Prakashan, Allahabad (2008,2011)

Suggested Links:-

1. "@Aarambhika" on Facebook live
2. Swarnjali kala sadhak Gwalior
3. Swar sanskar live on Facebook

Part D : Assessment and Evaluation (Practical)			
Suggested Continuous Evolution Methods:			
Internal Assessment	Marks	**External Assessment**	Marks
Class Interaction /Quiz	10	Viva Voce on Practical	15
Attendance	5	Practical Record File	10
Assignments (Charts/ model seminar/ Rural Service/ Technology Dissemination/ Report of Excursion/ Lab Visits/ Survey/ Industrial visit)	10	Table work/ Experiments	50
Total	25		75

Pushpa
30/5/2021
(Dr. Ravi Kumar Pandey)

Rajalakshmi

सैद्धांतिक प्रश्न पत्र के पाठ्यक्रम का प्रारूप

भाग–अ–परिचय			
पाठ्यक्रम – सर्टिफिकेट	कक्षा–बी. ए.	वर्ष – प्रथम	सत्र–2021–2022

		विषय–हिन्दूस्तानी संगीत–गायन	
1.	कोर्स कोड	A1MSIN2T	
2.	कोर्स शीर्षक	भारतीय संगीत के विविध आयाम	
3.	कोर्स टाइप	कोर कोर्स	
4.	पूर्व अपेक्षित (यदि कोई हो)	सभी 12 वी कक्षा उत्तीर्ण विद्यार्थियो के लिए उपलब्ध।	
5.	कोर्स अधिगम उपलब्धि (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	1. प्रस्तुत पाठ्यक्रम का लक्ष्य विद्यार्थियों में संगीत के प्रति जागरूकता तथा ज्ञान में वृद्धि करना। 2 लोक संगीत, सुगम संगीत, उप–शास्त्रीय संगीत की जानकारी 3. हिन्दी फिल्मों के प्रसिद्ध पार्श्व गायक–गायिकाओं की जीवनी तथा संघर्ष व योगदान से परिचय कराना।	
6.	क्रेडिट मान	02 सैद्धांतिक	
7.	कुल अंक	अधिकतम अंक– 25+75	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक– 08+25

भाग ब–पाठ्क्रम की विषयवस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या–टयुटोरियल, प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में) L.T.D

इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
1.	पाठ्क्रम हेतु निर्धारित राग – खमाज, भैरवी पाठ्क्रम हेतु निर्धारित ताल – रूपक, झपताल, त्रिताल	6
	सामान्य अध्ययन:– अ लोकसंगीत ब सुगमसंगीत स उपशास्त्रीय	
2.	सांगीतिक शब्दावली– अ आकाशवाणी– दूरदर्शन के संगीत कार्यक्रमों की समीक्षा। ब क्षेत्रीय संगीत समारोह की समीक्षा।	6
3.	स्वरलिपि अध्ययन:– अ पं विष्णुनारायण भातखण्डे स्वरलिपि पध्दति। ब पं विष्णु दिगंबर पलुस्कर स्वरलिपि पध्दति।	6
4.	स्वर–लय अध्ययन – अ स्वर–शुध्द विकृत। ब लय– विलंबित, मध्य, द्रुत। स हारमोनियम वाद्ययंत्र की जानकारी।	6
5.	चित्रपट संगीत के पार्श्व गायक–गायिका अ भारतरत्न सुश्री, लता मंगेशकर – इंदौर, जीवन परिचय एवं सांगितिक योगदान। ब स्व. किशोर कुमार खण्डवा, जीवन परिचय एवं सांगितिक योगदान।	6

सदर्भः– पाठ्यपुस्तकें संदर्भ पुस्तकें अन्य संसाधन
1. भातखण्डे, वि. ना., क्रमिक पुस्तक मल्लिका भाग–1, 2, हाथरस–संगीत कार्यालय उ.प्र., 2009, 2011
2. गोवर्धन, शांति, संगीत शास्त्र दर्पण– भाग–1, 2, रत्नाकर पाठक इलाहाबाद, 2004, 2005, 2006
3. पराजपे डॉ शरच्चंद्र श्रीधर, संगीत बोध, म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी भोपाल, 1972, 1986, 1992
4. शर्मा डॉ. मृत्युंजय, संगीत मैनुअल, एच.जी. पब्लिकेशंस नई दिल्ली, 2004, 2005, 2006
5. गर्ग लक्ष्मी नारायण, निबंध संगीत, संगीत कार्यालय हाथरस उ.प्र., 1978
6. गर्ग लक्ष्मी नारायण, संगीत विशारद, संगीत कार्यालय हाथरस उ.प्र., 1998
7. उपाध्याय डॉ. कृष्णदेव, हिन्दी प्रदेश के लोकगीत, साहित्य भवन प्राइवेट लिमिटेड इलाहाबाद, 1990
8. मोहम्मद शरीफ, मध्यप्रदेश का लोकसंगीत, म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल, 1999
9. यमन डॉ. अशोक कुमार, टेलिविजन और संगीत, कल्पना प्रकाशन नई दिल्ली, 2014
10. गुप्ता विनीता, स्वर कोकिला, प्रभात प्रकाशन नई दिल्ली, 2015
11. मिश्र यतीन्द्रनाथ, लता सुर गाथा, वाणी पब्लिकेशंस इलाहाबाद, 2016
12. धीमन कमल, वर्सेटाइी जीनियस किशोर कुमार, निकीता पब्लिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड नई दिल्ली, 2011
13 सीमा, गाता रहे मेरा दिल, निकिता पब्लिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड नई दिल्ली, 2002

भाग द–अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:–		
अनुशंसित सतत् मूल्याकन विधियां:– अधिकतम अंक: 100 सतत् व्यापक मूल्याकन (CCE) अंक : 25 विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक : 75		
आंतरिक मूल्याकन सतत् व्यापक मूल्यांकन (CCE)	क्लास टेस्ट असाइनमेंट / प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन)	15 10 कुल अंक : 25
आकलन : विश्वविद्यालयीन परीक्षा : समय – 02.00 घंटे	अनुभाग (अ) : तीन अति लघु प्रश्न (प्रत्येक 50 शब्द) अनुभाग (ब) : चार लघु प्रश्न (प्रत्येक 200 शब्द) अनुभाग (स) : दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक 500 शब्द)	03x03=09 04x09=36 02x15=30 कुल अंक : 75
कोई टिप्पणी सुझाव :–		

(1)

Part A : Introduction			
Program : Certificate Course	Class : B.A.	Year : I	**Sessions** : 2021-2022
Subject : Hindustani Music-Vocal			

1.	**Course Code**	A1MSIN2T	
2.	**Course Title**	Multi Dimension Of Hindustani Music	
3.	**Course Type (Core/Elective/Generic)**	Core Course	
4.	**Pre-requisite (If any)**	Open for all 12th Pass Students	
5.	**Course Learning Outcomes (CLO)**	1. Introduction of types of Indian Music:- 1.1 Folk Music 1.2 Semi Classical Music 1.3 Light Music 2. Reporting of Akashvani, Doordarshan and Music Festival of Madhya Pradesh. 3. Introduction of Lifesketch of Film Playback Singers of Madhya Pradesh and their contribution in Music. 4. Harmonium which is used in Indian Music, its complete description.	
6.	**Credit Value**	Theory -02	
7.	**Total Marks**	Max. Marks : 25 + 75	Min. Passing Marks : 08 + 25

Part B : Content of the Course		
Total numbers of Lectures (in hours per week) : 2 hours per week Total Lecture : 30 hours		
Unit	Topics	No. of Lectures
I	**Demarcated Ragas** :- Khamaj, Bhairavi **Prescribed Talas** :- Roopak, Jhaptal, Trital	06
	General Studies:- 1.1 Folk Music 1.2 Light Music 1.3 Semi Classical Music	
II	**Reportive Studies :-** 2.1 Reporting of Music Programmes of Akashvani and Doordarshan. 2.2 Reporting of Regional Music Festival.	06
III	**Study Of Notation System :-** 3.1 Pt. Vishnu Narayan Bhatkhande Notation System. 3.2 Pt. Vishnu Digambar Paluskar Notation System.	06
IV	**Studies Swar - Laya:-** 4.1 Swar: Shuddha, Vikrut (Flat). 4.2 Laya: Vilambit, Madhya, Arut. 4.3 Introduction of Harmonium Instrument.	06
V	**Playback Singers Of Film Music:-** 5.1 Bharat Ratna Sushri Lata Mangeshkar - Indore, Life Sketch and Contribution to Music. 5.2 Late Kishore Kumar - Khandwa, Life Sketch and contribution to Music.	06

Part C : Learning Resources

Text Books, Reference Books, other resources

Suggested Books:-

1. Bhatkhande V.N., Kramik Pustak Malika Part 1,2, Sangeet Karyalaya, Hathras (U.P.) 2009, 2011
2. Govardhan Shanti, Sangeet Shastra Darpan Part 1,2, Ratnakar Pthak, Allahabad, 2004,2005, 2006
3. Paranjpe Dr. S.S., Sangeet Bodh, M.P. Hindi Granth Academy, Bhopal 1972,1986, 1992
4. Sharma Dr. Mrutunjay, Sangeet Manual, H.G. Publication, New Delhi, 2004,2005, 2006
5. Garg Lakshminarayan, Nibandh Sangeet, Sangeet Karyalaya, Hathras (U.P.), 1978
6. Garg Lakshminarayan, Sangeet Vishrad, Sangeet Karyalaya, Hathras (U.P.), 1998
7. Upadhaya Dr. Krishnadev, Hindi Pradesh Ke Lok Geet, Sahitya Bhawan Pvt. Ltd, Allahabad, 1990
8. Mohammad Sharif, Madhaya Pradesh Ka Lok Sangeet, M.P. Hindi Granth Academy, Bhopal, 1999
9. Yaman Dr. Ashok Kumar, Television aur Sangeet, Kalpana Prakashan,New Delhi, 2014
10. Gupta Vinita, Swar Kokila, Prabhat Prakashan, New Delhi, 2015
11. Mishra Yatirdranath, Lata Sur-gataha, Vani Publication, Allahabad, 2016
12. Dheeman Kamla, Versatile Genius Kishor Kumar, Nikita Publication Pvt. Ltd, New Delhi, 2011
13. Seema, Gata Rahe Mera Dil, Nikita Publication Pvt. Ltd, New Delhi, 2002

Suggested Links:-

1. "@Aarambhika" on Facebook live
2. Swarnjali kala sadhak Gwalior
3. Swar sanskar live on Facebook and Youtube

Part D : Assessment and Evaluation (Theory)

Maximum Marks : 100
Continuous Comprehensive Evaluation (CCE): 25
University Exam (UE): 75
Time : 02:00 Hours

Internal Assessment : Continuous Comprehensive Evaluation (CCE)	Class test	15
	Assignment/Presentation	10
	Total	25
External Assessment: University Exam	Section (A): Three Very Short Questions (50 Words Each)	03 X 03 = 09
	Section (B): Four Short Questions (200 Words Each)	04 X 09 = 36
	Section (C): Two long Questions (500 Words Each)	02 X 015 = 30
	Total	75

प्रायोगिक प्रश्न पत्र के पाठ्यक्रम का प्रारूप

भाग–अ– परिचय				
पाठ्यक्रम –सर्टिफिकेट		कक्षा–बी. ए.	वर्ष –2021	सत्र–2021–2022
हिन्दुस्तानी संगीत गायन				
1.	कोर्स कोड	A1-MSIN2P		
2.	कोर्स शीर्षक	भारतीय संगीत के विविध आयाम		
3	कोर्स टाइप	कोर कोर्स		
4.	पूर्व अपेक्षित (यदि हो)	इस पाठ्यक्रम को 12वी कक्षा उत्तीर्ण छात्रो द्वारा एक वैकल्पिक विषय के रूप में चुना जा सकता है।		
5.	कोर्स अधिगम उपलब्धि (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	1. पाठ्यक्रम के द्वारा विद्यार्थियों में संगीत का प्रायोगिक ज्ञान के साथ ही हिन्दुस्तानी संगीत के निर्धारित रागों का समग्र परिचय कराना। 2. निर्धारित रागो में आधारित सरगम का तालबद्ध गायन कराना। 3. निर्धारित रागो पर आधारित चित्रपट संगीत व गीतों से परिचय कराना। 4. क्षेत्रीय लोक संस्कृति पर आधारित लोकगीतों का परिचय कराना। 5. निर्धारित तालो का गीतो में प्रयोग से परिचय कराना। 6. वंदना देशभक्ति गीतों, राष्ट्रगान राष्ट्रगीत का सामूहिक गान कराना लक्ष्य है।		
6.	क्रेडिट मान	04 – प्रायोगिक		
7.	कुल अंक	अधिकतम अंक: 25+75		न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 08+25

भाग ब–कोर्स की सामग्री		
इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
	निर्धारित राग :– खमाज, भैरवी निर्धारित तालः– रूपक, झपताल, त्रिताल	12
1	1.1 शुद्ध और विकृत स्वरों के पाँच–पाँच अलकारों का अभ्यास। 1.2 निर्धारित रागों में आरोह–अवरोह और पकड़ के साथ सरगम गीतों का गायन।	
2	2.1 निर्धारित रागों पर आधारित फिल्मी गीतों का संकलन और गायन।	12
3	3.1 अपने क्षेत्र के एक–एक लोकगीत का गायन।	12
4	4.1 निर्धारित तालो को ताललिपि में लेखन व हाथ से ताली देकर प्रदर्शन।	12
5	5.1 वदना, राष्ट्रगीत, राष्ट्रगान का गायन ।	12

भाग स–अनुशंसित अध्ययन संसाधन
संदर्भः–
1.1 भातखण्डे, वि. ना. क्रमिक पुस्तक मल्लिका भाग–1,2, हाथरस–संगीत कार्यालय। (2008,2011)
1.2 भातखण्डे, वि. ना. भातखण्डे, लक्ष्यगीत संग्रह, हाथरस। (1999)
1.3 राग, पंकज, धुनों की यात्रा राजकमल प्रकाशन। (2006)
1.4 श्रीवास्तव, एच.सी ताल परिचय, रूबी प्रकाशन। (2002)
1.5 मोहम्मद, शरीफ, मध्यप्रदेश के लोक संगीत, म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी भोपाल। (2018)
1.6 श्रीवास्तव, एच.सी. राग परिचय रूबी प्रकाशन। (2002)

भाग द–अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:–			
अनुशंसित सतत् मूल्यांकन विधियां:–			
आतरिक मूल्यांकन	अंक	बाह्य मूल्यांकन	अंक
कक्षा में संवाद / प्रश्नोत्तरी	10	प्रयोगिक मौखिकी (वायवा)	15
उपस्थिति	5	प्रयोगिक रिकॉर्ड फाइल	10
असाइनमेंट (चार्ट / मॉडल / सेमिनार / ग्रामीण सेवा / प्रौद्योगिकी प्रसार / भ्रमण (करस्कर्शन)की रिपोर्ट / सर्वेक्षण / प्रयोगशाला भ्रमण (लेब विजिट) औद्योगिक यात्रा	10	टेबल वर्क / प्रयोग	50
कुल अंक	25		75
कोई टिप्पणी सुझावः–			

Part A : Introduction			
Program : Certificate course	Class : B.A.	Year : I	Sessions : 2021-2022
Subject : Hindustani Music-Vocal			

1.	**Course Code**	A1MSIN2P
2.	**Course Title**	History of Indian Music
3.	**Course Type (Core/Elective/Generic)**	Core Course
4.	**Pre-requisite** (If any)	To study this course, A student must have had the subject - Music in 12th Class & clear pass in Certificate Course.
5.	**Course Learning Outcomes (CLO)**	1. The course aims to acquaint the students with the Hindustani Music System. 2. The meaning of the initial technical words of music and to acquaint the student with Ragas and Talas. 3. To give some Knowledge of Light music in prescribed ragas. 4. To give Practical Information in Film Songs or Bhajan, based on classical ragas. 5. Informative Knowledge of Folk Music based on Local Language. 6. Provide Knowledge of Talas commonly used in Light or Film Songs.
6.	**Credit Value**	Practical -04
7	**Total Marks**	Max. Marks : 25 + 75 / Min. Passing Marks : 10 + 30
8.	**Total no of L-T-P**	4 Hours per week

Part B : Content of the Course		
Total numbers of Practical(in hours per week) : 3 hours per week Total Lecture : 30 hours		
Unit	**Topics**	**No. of Lectures**
	Demarcated Ragas :- Khamaj, Bhairavi **Prescribed Talas** :- Roopak, Jhaptal, Trital	10
I.	Practice of singing Five Alankars of Thatas in Prescribed Ragas for Light Music.	
II.	Learning of Aaroha - Awaroha - Pakad, Sargamgeet in Prescribed Ragas.	10
III.	Practice of singing Bhajan, Geet, Gazal of Film music based on Prescribed Ragas.	10

Part C : Learning Resources
Text Books, Reference Books, other resources

Suggested Readings:-

1.1 Bhatkhande, V.N. - Kramik pustak Mallika Part – 1, Hathras sangit karyalaya (2004)

1.2 Bhatkhande, V.N. - Kramik pustak Mallika Part – 2, Hathras sangit karyalaya (2009) (2011)

1.3 Dr. Shrivastva veena - Bhartiya Lok Sangeet (Sanrakshan, Samvard Evam Sambhavanaye) - (2012) ISBN: 978-81-7407-780-2, Rad Publication, New Delhi

1.4 Gehani Ranjani, Alankars The Riyaz Manual, Impressive Impressions - (2016) https://www.facebook.com

1.5 Sharma Manorama - Folk India: A Comprehensive Study Of Indian Music & Culture - Sandeep Prakashan(2004) ISBN 817574422, 978814541423

1.6 Garg Lakshminarayan – Sangeet Vishrad, Sangeet Karyalaya, Hathras (U.P.), 1998

Suggested Links:-

1. "@Aarambhika" on Facebook live
2. Swarnjali kala sadhak Gwalior
3. Swar sanskar live on Facebook

Part D : Assessment and Evaluation (Practical)			
Suggested Continuous Evolution Methods:			
Internal Assessment	Marks	External Assessment	Marks
Class Interaction /Quiz	10	Viva Voce on Practical	15
Attendance	5	Practical Record File	10
Assignments (Charts/ model seminar/ Rural Service/Technology Dissemination/Report of Excursion/ Lab Visits/ Survey/Industrial visit)	10	Table work/ Experiments	50
Total	25		75

Raja Mansingh Tomar Music & Arts University, Gwalior (M.P.

CHOICE BASED CREDIT SYSTEM (CBCS)

Yearly Grading Scheme

B.A. II YEAR PRIVATE

2021-22

Subject cod	Subject Nature	End Term	Total Mark %	Minimum Passing Mark %
Group-A	***Core Subject – Music***			
C1-101	History & development of Indian Music	100%	100	33%
C1-102	Applied Principal of Indian Music	100%	100	33%
C1-103	Practical one (with nss camp)	100%	100	33%
Group-B	Elective open-1 LITERATURE any one following for teaching availability (HINDI/ENGLISH/SANSKRIT)			
E1-101	THEORY-1	100%	100	33%
E1-102	THEORY-2	100%	100	33%
	Elective open-2- SOCIAL SCIENCE			
	any one following for teaching availability (HISTORY/PHILOSOPHY)			
E2-101	THEORY-I	100%	100	33%
E2-102	THEORY-II	100%	100	33%
Group- C	***FOUNDATION COURSE (Compulsory)***			
F-HM-101	HINDI & MORAL VALUES - I	100%	35	33%
F-HM-102	ENGLISH LANGUAGE - II	100%	35	33%
F-HM-103	ENVIRONMENTAL STUDY - III	100%	30	33%
	GRAND Total Credits & Hours			

सत्र – 2021–22

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)

बी.ए. द्वितीय वर्ष (स्वध्यायी पाठ्यक्रम)

(गायन/स्वरवाद्य प्रथम प्रश्न पत्र)

(संगीत का विज्ञान/ Science of Music1)

समय :–3 घण्टे पूर्णांक :–100

इकाई–1

1. टोन, मेजर टोन, माइनर टोन, समीटोन, अनुनाद, डोल, उपस्वर (स्वयंभु स्वर), प्रतिध्वनि, तरंगमान तथा तरंग वेग, ग्रंथि–प्रतिग्रंथि, स्वर अंतराल प्रमुख स्वर संवादो का अध्ययन।
2. स्केल–नेचुरल स्केल, डायटोनिक स्केल तथा टेम्पर्ड स्केल।

इकाई–2

1. हिन्दुस्तानी एवं कर्नाटक सप्तकों का तुलनात्मक अध्ययन।
2. पूर्वांग–उत्तरांग राग। वादी, संवादी स्वर से राग गायन के समय का सबंध, संधिप्रकाश राग, अध्वदर्शक स्वर, परमेले, प्रवेशक राग की जानकारी।

इकाई–3

1. राग के ग्रह आदि दस लक्षण। आविर्भाव, तिरोभाव, नायकी, गायकी, वाग्गेयकार की परिभाषा लक्षण एवं प्रकार।
2. गमक की परिभाषा और उसके प्रकार।

इकाई–4

1. मुगल काल से अब तक का संगीत का संक्षिप्त इतिहास।
2. स्दारंग–अदारंग, गोपाल नायक, बैजू बख्शू हस्सू हद्दू खाँ, भास्कर बुआ बखले, बाबा अलाउद्दीन खाँ, उ. हाफिज अली खाँ एवं उ. इनायत खाँ तथा पं. पन्नालाल घोष का जीवन परिचय तथा संगीत के क्षेत्र में उनका योगदान।

इकाई–5

1. तत् (तंत्री), अवनद्ध, घन एवं सुषिर वाद्य वर्गीकरण का अध्ययन।
2. वितत् वाद्य का स्पष्टीकरण। गायन के विद्यार्थी के लिए तानपूरा का एवं वाद्य के विद्यार्थी हेतु अपने–अपने वाद्य का संक्षिप्त ऐतिहासिक अध्य

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)
बी.ए. द्वितीय वर्ष (स्वध्यायी पाठ्यक्रम)
(गायन/स्वरवाद्य द्वितीय प्रश्न पत्र)
(संगीत के क्रियात्मक सिद्धांत/Applied Principles of Indian Music 2)

समय :–3 घण्टे पूर्णांक :–100

इकाई–1

1. पाठ्यक्रम के राग – बागेश्री, बिहाग भीमपलासी, आसावरी, कामोद, केदार, देश, भैरवी, हमीर और पटदीप। विगत वर्ष के रागों का तुलनात्मक अध्ययन–

इकाई–2

2. निम्न अ एवं ब को भातखण्डे स्वरलिपि पद्धति में लिखने का अभ्यास।
   (अ) गायन के परीक्षार्थियों के लिए –
   - पाठ्यक्रम के रागों में विलम्बित ख्याल। (आलाप तथा तानों सहित)
   - पाठ्यक्रम के प्रत्येक राग में एक मध्यलय ख्याल। (आलाप तथा तानों सहित)

   (ब) स्वर वाद्य के परीक्षार्थियों के लिए –
   - पाठ्यक्रम के किन्ही पांच रागों में आलाप, तानों/ताडो सहित) एक--एक अथवा मसीतखानी गत।
   - पाठ्यक्रम के रागों में एक मध्यलय अथवा रजाखानी गत अथवा द्रुतलय की रचना। (आलाप तथा तानो/तोडों सहित)

इकाई–3

1. तान की परिभाषा एवं तान के प्रकार।
2. बोल आलाप, बोलतान, कृन्तन, जोड़, झाला, तारपरन तथा लागडाट की परिभाषा ।

इकाई–4

1. विगत वर्ष के पाठ्यक्रम की तालों के साथ तिलवाड़ा रूपक, तीव्रा तथा सूलताल के ठेकों का ज्ञान एवं दुगनु, चौगुन में लिखने का अभ्यास।
2. ठुमरी, कजरी, चैती और कव्वाली का परिचय।

इकाई–5

1. पंडित विष्णु दिगम्बर पलुस्कर स्वरलिपि व ताललिपि पद्धति का परिचय।
2. संगीत संबंधी विषय पर लगभग 400 शब्दो में निबंध लेखन।

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)
बी.ए. द्वितीय वर्ष (स्वध्यायी पाठ्यक्रम)
गायन/स्वरवाद्य प्रायोगिकः– 1 प्रदर्शन एवं मौखिक
(Demonstration & Viva Voice)

समय :–30 मिनिट

पूर्णांक :–100

1. पाठ्यक्रम के राग– बागेश्री, बिहाग, भीमपलासी, आसावरी, कामोद केदार, देस, भैरवी, हमीर और पटदीप। विगत वर्ष के पाठ्यक्रम के रागों के साथ तुलनात्मक अध्ययन।
   अ. पाठ्यक्रम के किन्ही पाँच रागों में आलाप–तान सहित एक–एक विलम्बित ख्याल का गायन अथवा तंत्रकारी सहित मसीतखानी गत का वादन।

   ब. पाठ्यक्रम के प्रत्येक राग में मध्यलय ख्याल/रजाखानी गत/तान–तोड़ों सहित प्रदर्शन।

   स. पाठ्यक्रम के विभिन्न रागों मे एक ध्रुपद, एक धमार (दुगुन चौगुन सहित) तथा एक तराना का गायन अथवा पाठ्यकम के किसी एक राग में तीनताल से भिन्न अन्य ताल में रचना का तानों सहित अपने वाद्य पर प्रदर्शन।

   द. गायन के विद्यार्थी हेतु पाठ्यक्रम के रागों में स्वरमालिका, लक्षण गीत का गायन।

2. भजन/देशभक्ति गीत या सुगम संगीत की रचना का स्वरलय में गायन अथवा वाद्य पर प्रदर्शन या किसी धुन को अपने वाद्य पर प्रस्तुत करना।

3. पाठ्यक्रम के निम्नलिखित तालों का हाथ से ताली देकर ठाह एवं दुगुल में बोलकर प्रदर्शन– त्रिताल, एकताल, दादरा, कहरवा, झपताल, चौताल, धमार, तिलवाड़ा, रूपक, तीव्रा तथा सूलताल।

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)
बी.ए. द्वितीय वर्ष (स्वध्यायी पाठ्यक्रम)
गायन/स्वरवाद्य प्रायोगिकः–2 मंच प्रदर्शन
वोकल/इंस्ट्रूमेंट (स्वर वाद्य) (**Stage Performance**)

समय :–20 मिनिट

पूर्णांक :–100

1. परीक्षार्थी द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम में से कोई एक राग रचना का (विस्तृत गायकी/तन्त्रकारी सहित) प्रदर्शन।
2. परीक्षक द्वारा दिये गये सुगम संगीत पर आधारित रचना अथवा धुन का प्रदर्शन।

सदंर्भ ग्रंथः

1. हिन्दुस्तानी क्रमिक पुस्तक मालिका भाग 2 से 6	–	पं. विष्णु नारायण भातखण्डे
2. संगीत प्रवीण दर्शिका	–	श्री एल. एन. गुणे
3. संगीत शास्त्र दर्पण	–	श्री शांति गोवर्धन
4. संगीत विशारद	–	श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग
5. सितार मलिका	–	श्री भगवतशरण शर्मा
6. अभिनव गीतांजलि भाग 1 से 5	–	पं. श्री रामाश्रय झा
7. संगीत बोध	–	श्री शरदचन्द्र परांजपे
8. संगीत वाद्य	–	श्री लालमणि मिश्र
9. हमारे सगीत रत्न	–	श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग
10. चतुरंग	–	श्री सज्जनलाल भट्ट
11. संगीत शास्त्र	–	श्री तुलसीराम देवांगन
12. राग शास्त्र	–	डॉ. गीता बैनर्जी
13. संगीत मणि	–	डॉ. महारानी शर्मा
14. प्रणव भारती भाग 1 से 7	–	पं. ओमकारनाथ ठाकुर
15. संगीतांजली भाग 1 से 7	–	पं. ओमकारनाथ ठाकुर

Raja Mansingh Tomar Music & Arts University, Gwalior (M.P.

CHOICE BASED CREDIT SYSTEM (CBCS)

Yearly Grading Scheme

B.A. III YEAR PRIVATE

2021-22

Subject cod	Subject Nature	End Term	Total Mark %	Minimum Passing Mark %
Group-A	***Core Subject – Music***			
C1-101	History & development of Indian Music	100%	100	33%
C1-102	Applied Principal of Indian Music	100%	100	33%
C1-103	Practical one (with nss camp)	100%	100	33%
Group-B	Elective open-1 LITERATURE any one following for teaching availability (HINDI/ENGLISH/SANSKRIT)			
E1-101	THEORY-1	100%	100	33%
E1-102	THEORY-2	100%	100	33%
	Elective open-2- SOCIAL SCIENCE			
	any one following for teaching availability (HISTORY/PHILOSOPHY)			
E2-101	THEORY-I	100%	100	33%
E2-102	THEORY-II	100%	100	33%
Group- C	***FOUNDATION COURSE (Compulsory)***			
F-HM-101	HINDI & MORAL VALUES - I	100%	35	33%
F-HM-102	ENGLISH LANGUAGE - II	100%	35	33%
F-HM-103	BASIC OF COMPUTER - III	100%	30	33%
	GRAND Total Credits & Hours			

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)
बी.ए. तृतीय वर्ष (स्वध्यायी पाठ्यक्रम)
(गायन/स्वरवाद्य प्रथम प्रश्न पत्र)
(संगीत का विज्ञान/Science of Music 1)

समय :–3 घण्टे पूर्णांक :–100

इकाई–1

1. गांधर्व गान, निबद्ध और अनिबद्ध गान, रागालाप, रूपकालाप, रागालप्ति, रूपकालप्ति, स्वस्थान नियम का आलाप।
2. मार्गी–देशी का गान।

इकाई–2

1. ग्राम–मूर्च्छना।
2. भरत एवं शारंगदेव की श्रुति स्वर व्यवस्था तथा भरत की सारणा–चतुष्टायी।

इकाई–3

1. वीणा के तार पर पं. अहाबेल द्वारा शुद्ध–विकृत स्वरों की स्थापना विधि एवं पं. श्री निवास द्वारा उसका स्पष्टीकरण।
2. ग्राम राग, देशीराग का वर्गीकरण, राग रागिनी वर्गीकरण का परिचय।

इकाई–4

1. थाट–राग वर्गीकरण तथा शुद्ध, छायालग, और संकीर्ण राग वर्गीकरण का अध्ययन।
2. पं. व्यंकटमखी के 72 मेल, उत्तर भारतीय सगीत में एक सप्तक से 32 थाटों की निर्माण विधि एवं एक थाट से 484 रागों की उत्पत्ति।

इकाई–5

1. घराने की परिभाषा एवं स्पष्टीकरण। ख्याल के ग्वालियर, आगरा, दिल्ली, पटियाला, जयपुर और किराना घरानों का सामान्य परिचय तथा सेनिया घराने की सामान्य जानकारी।
2. उ.फैयाज खॉ. अब्दुल करीम खॉ. प.डी.वी. पलुष्कर, उ.अल्लादिया खॉ., पं. गजाननराव जोशी, पं. रविशंकर, उं. विलायत खाँ, पं. वी.जी. जोग, उ. बिस्मिलाह खाँ और पं. हरिप्रसाद चौरसिया का जीवन परिचय एवं संगीत के क्षेत्र में उनका योगदान।

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)
बी.ए. तृतीय वर्ष (स्वध्यायी पाठ्यक्रम)
(गायन / स्वरवाद्य द्वितीय प्रश्न पत्र)
(संगीत के क्रियात्मक सिद्धांत / Applied Principles of Indian Music)

मय :–3 घण्टे

पूर्णांक :–100

इकाई–1

1. निम्नलिखित रागों का शास्त्रीय परिचय एवं पिछले पाठ्यक्रम के रागों का तुलनात्मक अध्ययन– जैजैवन्ती, मालकौस, जौनपुरी, छायानट, बहार, तोड़ी, रामकली, तिलककामोद और पूरियाधनाश्री।

इकाई–2

2. निम्न अ एवं ब को भातखण्डे स्वरलिपि पद्धति में लिखने का अभ्यास।
   (अ) गायन के परीक्षार्थियों के लिए–
   - पाठ्यक्रम के रागों में (आलाप तथा तानो सहित) विलम्बित ख्याल।
   - पाठ्यक्रम के रागों आलाप – तान सहित एक मध्यलय ख्याल।

   (ब) स्वर वाद्य के परीक्षार्थियों के लिए–
   - पाठ्यक्रम के रागों में आलाप तथा तोडे सहित मसीतखानी गत।
   - पाठ्यक्रम के रागों में आलाप तथा तोडे एक मध्यलय तथा रजाखानी गत।

इकाई–3

1. आड, कुआड, लय (पूर्व पाठ्यकम की तालों सहित) की जानकारी।
2. आड़ाचौताल, दीपचंदी तथा झूमरा तालों का परिचय उन्हे तिगुन, चौगुन में लिखने का अभ्यास।

इकाई–4

1. पंडित विष्णु नारायण भातखण्डे स्वरलिपि के अतिरिक्त भारत में प्रचलित अन्य स्वरलिपियों का सामान्य ज्ञान।
2. स्टाफ नोटेशन (स्वरलिपि) पद्धति का सामान्य परिचय। स्टाफ नोटेशन स्वरलिपि में पाठ्यक्रम के रागों के आरोह–अवरोह व पकड़ का लेखन।

इकाई–5

1. हार्मनी और मेलाडी का सामान्य अध्ययन।
2. लगभग 500 शब्दो में सगीत संबंधी किसी विषय पर निबंध लेखन।

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)
बी.ए. तृतीय वर्ष (स्वध्यायी पाठ्यक्रम)
गायन/स्वरवाद्य प्रायोगिकः– 1 प्रदर्शन एवं मौखिक
(Demostration & Viva Voice)

समय :–30 मिनिट पूर्णांक :–100

1. पाठ्यक्रम के राग–जैजैवन्ती, मालकौस, जौनपुरी, पूरिया, छायानट, बहार, तोडी, बसन्त, रामकली, तिलककामोद और पूरियाधनाश्री के साथ विगत वर्षो के रागों की तुलना।

   अ. पाठ्यक्रम के किन्हीं छः रागों में एक–एक विलम्बित ख्याल (आलाप–तान सहित) का गायन अथवा विलम्बित रचना/मसीतखानी गत (गायकी अथवा तंत्रकारी सहित) का प्रदर्शन।

   ब. पाठ्यक्रम के प्रत्येक राग में मध्यलय ख्याल/रजाखानी गत/मध्यलय रचना का पाँच तानों सहित प्रस्तुति।
   स. पाठ्यक्रम के विभिन्न रागों में एक ध्रुपद, एक धमार (दुगुन, तिगुन व चौगुन सहित) तथा एक तराना का गायन। अथवा किसी एक राग में तीनताल से पृथक ताल मे रचना का गायकी अथवा तंत्रकारी सहित प्रस्तुतिकरण।

2. भजन/देशभक्ति गीत या सुगम संगीत की रचना का स्वरलय में गायन अथवा वाद्य पर प्रदर्शन या किसी धुन को अपने वाद्य पर प्रस्तुतीकरण।

3. विगत वर्षो के पाठ्यक्रम की तालों सहित निम्नलिखित तालों का हाथ से ताली देकर बोलकर प्रदर्शन–
   अ. आडाचौताल, दीपचंदी एवं झूमरा तालों की ठाह दुगुन एवं चौगुन।
   ब. त्रिताल, एकताल, दादरा, कहरवा का तिगुन में प्रदर्शन।

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)

बी.ए. तृतीय वर्ष (स्वध्यायी पाठ्यक्रम)

गायन/स्वरवाद्य प्रायोगिकः–2 मंच प्रदर्शन

वोकल/इंस्ट्रूमेंट (स्वर वाद्य) टेक्निक 2 (Stage Performance)

समय :–20 मिनिट

पूर्णांक :–100

1. परीक्षार्थी द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम में से कोई एक राग रचना का (विस्तृत गायकी/तन्त्रकारी भजन सहित) प्रदर्शन।
2. परीक्षक द्वारा दिये ध्रुपद/धमार में से किसी एक की गायकी अथवा किसी एक रचना की तन्त्रकारी के साथ प्रस्तुति।
3. अपने वाद्य को मिलाने का अभ्यास।

संदर्भ ग्रंथ :–

1. हिन्दुस्तानी क्रमिक पुस्तक मालिका भाग 2 से 6	–	पं. विष्णु नारायण भातखण्डे
2. संगीत प्रवीण दर्शिका	–	श्री एल. एन. गुणे
3. संगीत शास्त्र दर्पण	–	श्री शांति गोवर्धन
4. संगीत विशारद	–	श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग
5. सितार मलिका	–	श्री भगवतशरण शर्मा
6. अभिनव गीतांजलि भाग 1 से 5	–	पं. श्री रामाश्रय झा
7. संगीत बोध	–	श्री शरदचन्द्र परांजपे
8. संगीत वाद्य	–	श्री लालमणि मिश्र
9. हमारे संगीत रत्न	–	श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग
10. चतुरंग	–	श्री सज्जनलाल भट्ट
11. संगीत शास्त्र	–	श्री तुलसीराम देवांगन
12. राग शास्त्र	–	डॉ. गीता बैनर्जी
13. संगीत मणि	–	डॉ. महारानी शर्मा
14. प्रणव भारती भाग 1 से 7	–	पं. ओमकारनाथ ठाकुर
15. संगीतांजली भाग 1 से 7	–	पं. ओमकारनाथ ठाकुर